



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 11, 1989/श्रावण 20, 1911
No. 21] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 11, 1989/SRAVANA 20, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वि इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी मैनेजरीज आफ इण्डिया

(कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत गठित)

[कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की द्वितीय अनुसूची के भाग II के खंड (2) के अनुसरण में]
(अगस्त 1989 की आई. सी. एस. आई. सं. 2)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1989

सं. 1002/28/डी.आर.—कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 का अधिनियम सं. 56) की
द्वितीय अनुसूची के भाग II के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, वि इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी
मैनेजरीज आफ इण्डिया की पक्षिष् इस अधिसूचना द्वारा निष्प्रेरित करती है कि कम्पनी अधिनियम,

1956 (1956 का 1) की धारा 161 की उपधारा (1) के उपबन्ध के अनुसरण में इन्स्टीट्यूट के जिस प्रेक्टिसरस सभ्य को वार्षिक विवरणी पर हस्ताक्षर करने का हक है, वह सदस्य व्यावसायिक कयासार का दोषी समझा जाएगा, यदि 1 जनवरी, 1989 से आरम्भ होने वाले एक कैलेंडर वर्ष में वह ऐसी सीमा से अधिक कम्पनियों की वार्षिक विवरणियों पर हस्ताक्षर करता है, जिनके गेयर किसी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की सूची पर दर्ज है :

किन्तु साथ ही यह उपबंध है कि कम्पनी सेक्रेटरीज की फर्म के मामले में, पूर्वोक्त सीमा कम्पनियों की अधिकतम सीमा उस कम्पनी के प्रत्येक भागीदार पर लागू होगी, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 161 की उपधारा (1) के उपबन्ध के अनुसार वार्षिक विवरणी पर हस्ताक्षर कर सकता है ।

यह 1 अक्टूबर, 1989 या उसके बाद हस्ताक्षर की जाने वाली किसी वार्षिक विवरणी के लिए लागू होता है ।

परिपत्र के आदेश द्वारा,

टी. पी. सुब्बारामन, सचिव

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)

[Pursuant to Clause (2) of Part II of the Second Schedule to the Company Secretaries Act, 1980]

(ICSI No. 2 of August, 1989)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th August, 1989

No. 1002/28/DR :—In exercise of the powers conferred by Clause (2) of Part II of the Second Schedule to the Company Secretaries Act, 1980 (Act No. 56 of 1980), the Council of the Institute of Company Secretaries of India hereby specifies that a member of the Institute in practice who is entitled to sign an Annual Return pursuant to the proviso to sub-section (1) of section 161 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall be deemed to be guilty of professional misconduct if he signs Annual Returns of more than thirty companies whose shares are listed on a recognised stock exchange, in a calendar year commencing from 1st January, 1989 :

Provided, however, in the case of a firm of Company Secretaries, the ceiling of thirty companies aforesaid would apply to each partner therein who is entitled to sign the annual return in terms of the proviso to sub-section (1) of section 161 of the Companies Act, 1956.

This becomes operative for any annual return to be signed on or after 1st October, 1989.

By Order of the Council,
T. P. SUBBARAMAN, Secy.